शैतान भालू का बच्चा

The Bad Little Bear-Cub

Agnia Barto, एग्निया बार्टो

Illustrated by V. Suteyev, चित्र: वी. सुतेयेव

हिंदी: अरविन्द गुप्ता
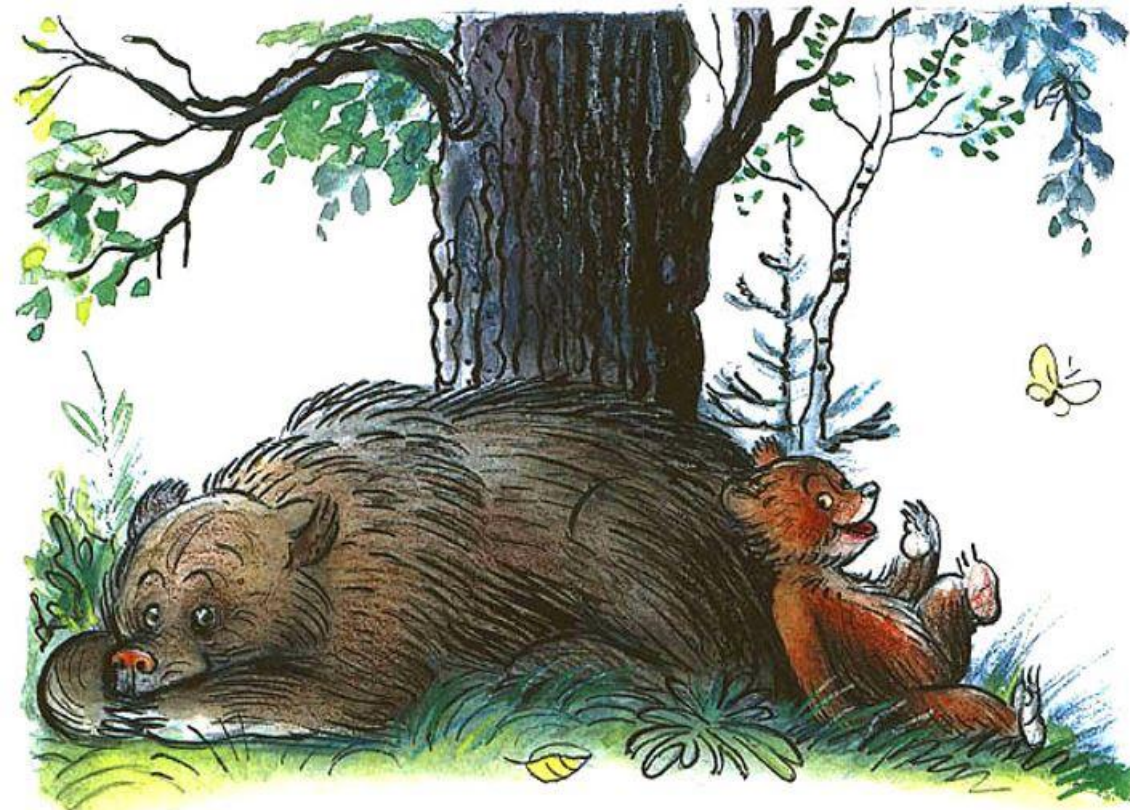
बच्चों, युवाओं और बूढ़ों के लिए एक कहानी

मिसेज़ भालू का एक बेटा था,

हर कोई यही कहेगा:

उसके बाल बिल्कुल अपनी मां की तरह थे,

उसका एक-एक इंच एक भालू की तरह था.

गर्मी से बचने के लिए उसकी मां

एक पेड़ के नीचे छिप जाती थी,

और फिर छोटा भालू का बच्चा

अपनी मां से लिपट जाता था.

वो जड़ से टकराता, और फिर गिर जाता था.
"बेचारा बेटा," फिर माँ भालू चिल्लाती थी.
सचमुच, मेरे दोस्तों, पूरे जंगल में
उससे बढ़िया कोई और बच्चा नहीं है.
फिर भी मिसेज़ भालू का बेटा
सारे नियम-कानून तोड़ता था.
एक दिन जब उसे कुछ शहद मिला
तो उसने उसे अपने गंदे पंजों से खा लिया!
तब उसकी माँ ने डांटा:
"शरारती लड़के,
तुम्हें अपना शहद
उस तरह से नहीं खाना चाहिए!"
लेकिन भालू का बच्चा उसे बस निगल गया
फिर उसके गले में घुटन हुई,
और खांसी भी,
और उसने शहद थूक दिया.
उसका चेहरा एकदम चिपचिपा हो गया,
उसका फर भी चिपकने लगा.
उसकी मां के लिए अब बहुत काम था
अपने बेटे को चाटकर साफ़ और चिकना करना.

जब मम्मी-पापा बातें करने बैठते

तो बेटा खूब शोर-शराबा मचाता.

क्या किसी बच्चे को ऐसा व्यवहार करना चाहिए

जब दो वयस्क भालू बात कर रहे हों?

भालू का बच्चा, एक दिन जब घर वापिस आया,

वो सबसे पहले वो मांद में चढ़ा,

और वो दूसरे बूढ़े भालू

के रास्ते में जाकर अड़ा.

अगले दिन वो देर रात तक बाहर रहा

अंधेरा होने तक, वो बाहर ही रहा,

और फिर घास से भरा हुआ फर लेकर लौटा.

वो एकदम पागल कर देने वाला नजारा था.

फिर उसने बिना किसी शर्म के कहा:

"हमने एक प्यारा, मज़ेदार खेल खेला."

मां ने कहा: “उसके व्यवहार ने मुझे रुला दिया.

वो सारी रात दहाड़ा, उसने हमें सोने नहीं दिया.”

उसने अपनी मां को पागल कर दिया.

वो सहन करने के लिए बहुत ज़्यादा था.

फिर वो अपनी आंटी मैसी से मिलने गया.

वहां उसने वही पुरानी कहानी दोहराई:

उसने आंटी को घुटने पर काटा

और अपने चचेरे भाइयों को पेड़ से गिराया.

पूरे सप्ताह उसकी मां परेशान रही

और उन्हें बेटे के लाड़-प्यार पर पछतावा हुआ.

"देखो, मैंने अपने बेटे को बिगाड़ दिया है:

अब वो बिल्कुल पगला गया है!”

उसने जाकर अपने पति से पूछा,

(जैसे वो सचमुच में जानता हो!)

“हमारा बेटा अब बद से बदतर होता जा रहा है.

मुझे बताओ कि अब हम क्या करें."

"उसे सही और गलत के बीच अंतर नहीं पता है.
वो लगातार चिड़ियों के घोंसलें लूटता है.
वो दूसरों को देखकर हमेशा अपना मुंह बनाता है,
और वो सार्वजनिक स्थानों पर लड़ता है!"

पापा ने दहाड़ते हुए उत्तर दिया,

“क्या मैं दोषी उसका दोषी हूं?

बच्चे की मां क्या कर रही थी

अगर वो बच्चे वश में नहीं कर सकती?

"उस बदमाश की मां ही,

उसके बर्ताव के लिए दोषी है.”

लेकिन जल्द ही अपराधी बच्चा इतना बुरा हो गया

उसने अपने पिता के खिलाफ भी अपना पंजा उठाया.

ज़रा उसके बारे में सोचो - एक बच्चे की इतनी हिम्मत

कि वो अपने पापा भालू पर झपटे और गुर्राए!

फिर पापा भालू ने गुस्से में गुर्राते हुए
एक मोटा सा डंडा उठाया.
(ऐसा लगता था, उनकी संतान के नवीनतम स्टंट
ने उन्हें बहुत परेशान कर दिया था!)

फिर उधर मां भालू बिलखने और चिल्लाने लगी:

“देखो, मैं यह दृश्य सहन नहीं कर सकती!

क्यों, वो बहुत बड़ा आक्रोश है.

एक छोटे बच्चे को इस तरह मारना!”

उन झगड़ों से परिवार बिखर गया

बेटा बेपरवाह, बदमिज़ाज़ बड़ा हुआ.

हालांकि यह कहानी आपको अजीब लग सकती है,

मैंने अक्सर लोगों को यह कहते हुए सुना है

कि कभी-कभी मनुष्यों के बीच भी,

ऐसे छोटे भालू मिलते हैं.